



DEPARTMENT OF THE ARMY
U.S. ARMY MEDICAL INTELLIGENCE AND INFORMATION AGENCY
WASHINGTON, D.C. 20314

FG.
①

ADA 028642

Number: 14 USAMIIA TRANSLATION
USAMIIA-K-5412

Date Completed: 11 21 Feb 75

⑫ 16p.

Language: French

Geographic Area:

English Title:

⑥ MEDICAL EVACUATION BY AIR
(Les Evacuations Sanitaires par Voie Aerienne)

Foreign Title:

Author:

⑩ Captain Desplats (MC)

Source Document:

⑫ Trans. Forces Aeriennes Francaises 211
p191-211
#France#
Feb 65,

Pages Translated:

Publisher:

Date/Place Publication:

Distribution Statement:

Approved for public release;
distribution unlimited

DDC

RECEIVED
AUG 24 1976
B



409112

Contents:

MEDICAL EVACUATION BY AIR

Captain Desplats (MC)

MISSION	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100	101	102	103	104	105	106	107	108	109	110	111	112	113	114	115	116	117	118	119	120	121	122	123	124	125	126	127	128	129	130	131	132	133	134	135	136	137	138	139	140	141	142	143	144	145	146	147	148	149	150	151	152	153	154	155	156	157	158	159	160	161	162	163	164	165	166	167	168	169	170	171	172	173	174	175	176	177	178	179	180	181	182	183	184	185	186	187	188	189	190	191	192	193	194	195	196	197	198	199	200	201	202	203	204	205	206	207	208	209	210	211	212	213	214	215	216	217	218	219	220	221	222	223	224	225	226	227	228	229	230	231	232	233	234	235	236	237	238	239	240	241	242	243	244	245	246	247	248	249	250	251	252	253	254	255	256	257	258	259	260	261	262	263	264	265	266	267	268	269	270	271	272	273	274	275	276	277	278	279	280	281	282	283	284	285	286	287	288	289	290	291	292	293	294	295	296	297	298	299	300	301	302	303	304	305	306	307	308	309	310	311	312	313	314	315	316	317	318	319	320	321	322	323	324	325	326	327	328	329	330	331	332	333	334	335	336	337	338	339	340	341	342	343	344	345	346	347	348	349	350	351	352	353	354	355	356	357	358	359	360	361	362	363	364	365	366	367	368	369	370	371	372	373	374	375	376	377	378	379	380	381	382	383	384	385	386	387	388	389	390	391	392	393	394	395	396	397	398	399	400	401	402	403	404	405	406	407	408	409	410	411	412	413	414	415	416	417	418	419	420	421	422	423	424	425	426	427	428	429	430	431	432	433	434	435	436	437	438	439	440	441	442	443	444	445	446	447	448	449	450	451	452	453	454	455	456	457	458	459	460	461	462	463	464	465	466	467	468	469	470	471	472	473	474	475	476	477	478	479	480	481	482	483	484	485	486	487	488	489	490	491	492	493	494	495	496	497	498	499	500	501	502	503	504	505	506	507	508	509	510	511	512	513	514	515	516	517	518	519	520	521	522	523	524	525	526	527	528	529	530	531	532	533	534	535	536	537	538	539	540	541	542	543	544	545	546	547	548	549	550	551	552	553	554	555	556	557	558	559	560	561	562	563	564	565	566	567	568	569	570	571	572	573	574	575	576	577	578	579	580	581	582	583	584	585	586	587	588	589	590	591	592	593	594	595	596	597	598	599	600	601	602	603	604	605	606	607	608	609	610	611	612	613	614	615	616	617	618	619	620	621	622	623	624	625	626	627	628	629	630	631	632	633	634	635	636	637	638	639	640	641	642	643	644	645	646	647	648	649	650	651	652	653	654	655	656	657	658	659	660	661	662	663	664	665	666	667	668	669	670	671	672	673	674	675	676	677	678	679	680	681	682	683	684	685	686	687	688	689	690	691	692	693	694	695	696	697	698	699	700	701	702	703	704	705	706	707	708	709	710	711	712	713	714	715	716	717	718	719	720	721	722	723	724	725	726	727	728	729	730	731	732	733	734	735	736	737	738	739	740	741	742	743	744	745	746	747	748	749	750	751	752	753	754	755	756	757	758	759	760	761	762	763	764	765	766	767	768	769	770	771	772	773	774	775	776	777	778	779	780	781	782	783	784	785	786	787	788	789	790	791	792	793	794	795	796	797	798	799	800	801	802	803	804	805	806	807	808	809	810	811	812	813	814	815	816	817	818	819	820	821	822	823	824	825	826	827	828	829	830	831	832	833	834	835	836	837	838	839	840	841	842	843	844	845	846	847	848	849	850	851	852	853	854	855	856	857	858	859	860	861	862	863	864	865	866	867	868	869	870	871	872	873	874	875	876	877	878	879	880	881	882	883	884	885	886	887	888	889	890	891	892	893	894	895	896	897	898	899	900	901	902	903	904	905	906	907	908	909	910	911	912	913	914	915	916	917	918	919	920	921	922	923	924	925	926	927	928	929	930	931	932	933	934	935	936	937	938	939	940	941	942	943	944	945	946	947	948	949	950	951	952	953	954	955	956	957	958	959	960	961	962	963	964	965	966	967	968	969	970	971	972	973	974	975	976	977	978	979	980	981	982	983	984	985	986	987	988	989	990	991	992	993	994	995	996	997	998	999	1000	1001	1002	1003	1004	1005	1006	1007	1008	1009	1010	1011	1012	1013	1014	1015	1016	1017	1018	1019	1020	1021	1022	1023	1024	1025	1026	1027	1028	1029	1030	1031	1032	1033	1034	1035	1036	1037	1038	1039	1040	1041	1042	1043	1044	1045	1046	1047	1048	1049	1050	1051	1052	1053	1054	1055	1056	1057	1058	1059	1060	1061	1062	1063	1064	1065	1066	1067	1068	1069	1070	1071	1072	1073	1074	1075	1076	1077	1078	1079	1080	1081	1082	1083	1084	1085	1086	1087	1088	1089	1090	1091	1092	1093	1094	1095	1096	1097	1098	1099	1100	1101	1102	1103	1104	1105	1106	1107	1108	1109	1110	1111	1112	1113	1114	1115	1116	1117	1118	1119	1120	1121	1122	1123	1124	1125	1126	1127	1128	1129	1130	1131	1132	1133	1134	1135	1136	1137	1138	1139	1140	1141	1142	1143	1144	1145	1146	1147	1148	1149	1150	1151	1152	1153	1154	1155	1156	1157	1158	1159	1160	1161	1162	1163	1164	1165	1166	1167	1168	1169	1170	1171	1172	1173	1174	1175	1176	1177	1178	1179	1180	1181	1182	1183	1184	1185	1186	1187	1188	1189	1190	1191	1192	1193	1194	1195	1196	1197	1198	1199	1200	1201	1202	1203	1204	1205	1206	1207	1208	1209	1210	1211	1212	1213	1214	1215	1216	1217	1218	1219	1220	1221	1222	1223	1224	1225	1226	1227	1228	1229	1230	1231	1232	1233	1234	1235	1236	1237	1238	1239	1240	1241	1242	1243	1244	1245	1246	1247	1248	1249	1250	1251	1252	1253	1254	1255	1256	1257	1258	1259	1260	1261	1262	1263	1264	1265	1266	1267	1268	1269	1270	1271	1272	1273	1274	1275	1276	1277	1278	1279	1280	1281	1282	1283	1284	1285	1286	1287	1288	1289	1290	1291	1292	1293	1294	1295	1296	1297	1298	1299	1300	1301	1302	1303	1304	1305	1306	1307	1308	1309	1310	1311	1312	1313	1314	1315	1316	1317	1318	1319	1320	1321	1322	1323	1324	1325	1326	1327	1328	1329	1330	1331	1332	1333	1334	1335	1336	1337	1338	1339	1340	1341	1342	1343	1344	1345	1346	1347	1348	1349	1350	1351	1352	1353	1354	1355	1356	1357	1358	1359	1360	1361	1362	1363	1364	1365	1366	1367	1368	1369	1370	1371	1372	1373	1374	1375	1376	1377	1378	1379	1380	1381	1382	1383	1384	1385	1386	1387	1388	1389	1390	1391	1392	1393	1394	1395	1396	1397	1398	1399	1400	1401	1402	1403	1404	1405	1406	1407	1408	1409	1410	1411	1412	1413	1414	1415	1416	1417	1418	1419	1420	1421	1422	1423	1424	1425	1426	1427	1428	1429	1430	1431	1432	1433	1434	1435	1436	1437	1438	1439	1440	1441	1442	1443	1444	1445	1446	1447	1448	1449	1450	1451	1452	1453	1454	1455	1456	1457	1458	1459	1460	1461	1462	1463	1464	1465	1466	1467	1468	1469	1470	1471	1472	1473	1474	1475	1476	1477	1478	1479	1480	1481</
---------	---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	--------



Society of French Military Medicine: "Air evacuation has become necessary as a requirement of ground deployment to the same extent as the use of antibiotics and resuscitation-transfusion in wartime surgery."

Today, we can state that air evacuation has become, owing to progress made in the field of surgery and resuscitation as well as in the aeronautical field in its true sense, an absolutely necessary link in medical tactics and emergency therapeutics. It followed the development of strategy which, from a static war, become transformed into a war of movement. We are the witnesses to the last encouragement which the "movement" factor has given to the general system description of evacuations. It has even modified it for so long as air evacuations were not possible, it was necessary to care for the wounded as close as possible to the battlefield. However, improvements in surgical techniques and transport resources presently allow the casualty to wait for surgery without any major danger and to be evacuated ever more rapidly to farther and farther points. It has also added a new concept to medical tactics by enabling installation of field hospitals as far as possible from the firing line. The surgeon no longer travels to the casualty since the latter now comes to him after having sometimes traveled as much as several hundred kilometers in order to be treated under better conditions.

Owing to this, a distribution in depth of treatment and hospitalization resources at variable distances forming an effective gridding is made possible. This dispersion could be of the utmost value, in particular during a nuclear warfare. Finally, medical evacuation by air helps the Medical Corps to better reach its goal, i.e., the recovery of personnel as a function of its basic motto: "Comfort, care for, save" (soulager, soigner, sauver). It also helps the military commander by swiftly removing seriously wounded personnel representing a burden which could delay an offensive movement or a so-called strategic withdrawal.

Thus, after having gone ahead so slowly, after having aroused so many diverse opinions, transport of casualties by air has spectacularly developed in these last 10 years to such an extent that it is now unthinkable to imagine that a military strategist could be unaware or disregard this valuable means of transport. The Air Force has clearly proven, and particularly in Algeria, that it can carry out this medical mission at any time and under any conditions.

/194

We have therefore been able to progressively define the development of the concept of medical evacuation by air. At the very beginning, it involved the mere collection and rescue of seriously wounded over short distances. It then became a matter of medical convoying over longer stretches. Finally becoming integrated into the henceforth conventional therapeutic chain: collection, resuscitation and conditioning, triage, evacuation, surgical treatment.

It can be separated into three stages:

The primary evacuation or transport of the casualty by helicopter or light aircraft from the front, i.e., from the forward airborne surgical unit (A.C.P. 58, l'antenne chirurgicale parachutiste) to the field hospital now become forward surgical hospital (H.C.A., l'hôpital de campagne devenu hôpital chirurgical avancé). The forward airborne surgical unit, generally dropped with assault wave elements, represents the first Medical Corps component, the advance facility.

Its goal is to ensure processing of urgent casualties during the first 48 hours in the absence of any local support and before any possibility for reinforcement. A half hour after dropping, it is ready to operate and can exist in isolation for 4-5 days. Its mission is to await the setup of a point for triage and evacuation as well as the intervention of helicopters which is not always possible at any hour of the day or night.

Secondary evacuation: from the advanced surgical hospital to hospitals in the zone of interior or a hospital ship. The advanced surgical hospital is the last born of surgical facilities in the forward area. It is a light and mobile field hospital. It represents a complete, coherent and indissoluble system whose dominant activity is the performance of extremely urgent surgical operations (20-30 daily). This advanced surgical hospital has been designed especially for divisional support in the nuclear era.

Tertiary evacuation: the least critical stage which starts the casualty on his way to the specialized processing center or convalescent centers. The completion of this development may be found in the conclusions of the 16th International Congress of Military Medicine and Pharmacy held in 1960 on the subject of air evacuations.

/195

The term aeromedical evacuation (évacuation aéro-médicale) should be used with one identical meaning for all countries for the sake of standardization. This allows removal of any misunderstanding involving the word "sanitaire".

First Stage: The evacuation by light aircraft or helicopters from the point at the extreme front to a surgical unit. It is essential that those who are responsible for escorting casualties in the first stage of air evacuation make sure that the latter have been prepared for the trip. This involves checking freedom of the upper respiratory passages, halting of hemorrhages, immobilization of fractures, holding of injured soft parts, stabilization of injuries to the thorax and its content.

Second Stage: The patients will then have to be evacuated from front surgical units to hospitals in the zone of communications. This second airlift will be set up using aircraft of all types on any occasion possible. For the second aeromedical evacuation stage, consideration should be given to the effects of lack of oxygen, reduction of atmospheric pressure and airsickness in calculating the possibility and order of priority of casualties to be evacuated in the light of the characteristics of the transport aircraft available and the flight plan.

We shall therefore from now on use the term aeromedical evacuation and, after having defined its preferred position within the scope of medical tactics as well as military strategy, we are going to try to show the problems which the Medical Corps came up against before obtaining this logistical support which is not only highly valuable but is an effective and beneficial tool.

/196

MEDICAL-MILITARY REQUIREMENTS FOR AEROMEDICAL EVACUATIONS;

The evacuation of a serious battle casualty or a critically ill patient presents a command like the Medical Corps with problems which are difficult to solve. It is necessary to reconcile humanitarian and sentimental considerations on one hand with strategic concepts on the other. Thus, for example, the concept of urgency can differ from one person to the next. The question arises of knowing whether steps should be taken first of all to save the slightly wounded who alone are capable of being swiftly returned to the command or to save the seriously ill and wounded for whom any delay reflects adversely on the vital prognosis and who represent a severe burden for the command. Now, in the case of these seriously wounded persons, evacuation is imperative since the light medical units alone present at the front can only provide first aid for these seriously wounded and should also be taking care of casualties recoverable on a short-term basis.

The aeromedical evacuation presents problems which are a function, in wartime as well as in peacetime, of the tactical, logistic and medical requirements.

TACTICAL REQUIREMENTS;

We have seen that in time of war aeromedical evacuation has been a function of the strategy of that time operating under three controlling concepts: conduct of countersubversion activity, such as was the case during the campaigns in Indochina and Algeria; organization of airborne operations, such as the Suez expedition in 1956 which is the most striking example; adaptation to nuclear risks which has been the chief worry of our leaders whence a very intensive search for mobility of units and their logistic support.

Faced with these tactical requirements, the Medical Corps should accept and comply with the directives from higher command which may or may not supply it with aircraft and crews. The following assumptions are made: the possibility of having available aircraft and crews in sufficient number and to be able to take them from combat missions; the possibility of using landing fields near field medical units, the latter often being located quite far from the line of fire owing to the extreme mobility and fluidity of modern fronts.

/197

The ideal situation would clearly be one in which the Medical Corps had helicopters and aircraft permanently at its disposal. This step will probably be taken one day as is the case for the American Army.

THE LOGISTICAL REQUIREMENTS;

Aeromedical evacuations require a considerable logistic support including resources for air with associated infrastructure as well as communications systems.

The air resources should combine the following qualities: speed, safety, comfort, whence the capability for treatment during flight.

Helicopters, whether they are light like the ALOUETTE or the DJINN, medium or heavy like the H19, H34 or H21, so-called "flying bananas", have in principle, an aerodynamic instability in pitch and roll. They are only used during daylight and in good weather since they are not equipped for instrument flight.

At the present time, instrument flight can be carried out with a helicopter under certain conditions: relatively stable and nonicing clouds. The last great step will clearly be taken when an effective solution will be found for the deicing of the blades. It appears that the SUPER-FRELON, a three-turbine helicopter able to transport 30 persons plus the crew and with a speed of 220 km/h, an endurance of five hours and a ceiling of 800 meters, may be the solution of the future.

Helicopters have the great advantage of being able to land on many different kinds of terrain. They are, however, quite vulnerable. The Medical Corps uses them chiefly for operations involving collection, transport with forward airborne surgical unit and primary evacuations.

/198

Aircraft have much greater advantages. They are maneuverable, stable and can be used in practically any kind of weather by night or by day. Nevertheless, they require suitable landing fields ranging from 800 to 2000 meters in length and need a setup time varying from 30 to 60 minutes. Liaison aircraft of the BROUSSARD and DASSAULT 315 type are used for primary evacuations. Light and heavy transport aircraft of the DAKOTA, NORD 2501 and BREGUET type have relatively good capabilities for special arrangements and comfort and are used for secondary and tertiary evacuations.

The ideal solution would clearly be to have available specially arranged medical aircraft having embarked all equipment and drugs absolutely necessary for emergency cases, specially designed to remove vibrations, noise and instability of the pitch and roll type causing airsickness. Such aircraft represent the ultimate goal towards which we should strive and to which the casualties have the right. No matter what the cost and the number of difficulties, our wounded should have the benefit of the considerable modern material resources that are offered to the healthy combatant such as members of the striking force, and it would be unjust to refuse this to the wounded combatant.

Resources of air infrastructure are chiefly airports and heliports. Airports are quite numerous in France and only present in a few cases problems involved with equipment, in particular beaconing, radio sets, guidance, etc. The problem of heliports is a greater one. If it is desired to eliminate the random, chaotic highway transport which is subject to the vicissitudes of traffic and its major scourge: traffic jams, each major hospital unit, each civil and military hospital should have its own heliport located within the very confines of its buildings. In this way, it will be possible to make unnecessary those aircraft-ambulance or helicopter-ambulance connections, harmful for the wounded or injured or sick person, leading to many handling operations, changes of apparatus which are quite prejudicial to the state of health of the evacuated person.

/199

It is illogical to think that a well-conducted aeromedical evacuation, with treatment in flight, maintenance of the patient in the best hospital conditions should end miserably in an uncomfortable, often rudimentary, ambulance. It appears that man, in spite of his wisdom, comes up against this ridiculous and almost unsurmountable obstacle under present operating conditions.

It is unthinkable that we are still building hospitals, great hospital and university systems which are entirely without helicopters, i.e., consciously doing without this modern medical conquest: aeromedical evacuation and, in particular, its heliborne support.

It is clear that the good performance of an aeromedical evacuation requires considerable and large-scale communications resources (telephonic connections between doctors, air-ground links, etc.) in order to avoid any misunderstanding, any delay in the timetable of this evacuation. All of these logistical problems are a function of the higher command and, in principle, have caused no serious disturbance at all in the operation of the Medical Corps.

MEDICAL REQUIREMENTS

Within the spirit of the Medical Corps of the Armed Forces, aeromedical evacuation, to be valid, should satisfy a number of requirements in order to justify the very definition of the latter; i.e., an aeromedical evacuation is the absolutely necessary therapeutic link between triage and surgical intervention. It is not just the common transport of human "freight" but a medical escort operating maintaining the wounded or sick person under medical-surgical conditions comparable to hospital conditions.

This requirement assumes medical teams especially trained for medical escort, i.e., having extensive experience both in the aeronautical as well as the medical field. These teams, trained along the same lines, have an indispensable unity of doctrine. This requires that qualified medical and orderly personnel have a solid understanding of matters relating to resuscitation-transfusion, emergency surgery. This has already been emphasized by Dr. Salvagnac at the conclusion of his report concerning air evacuations in Indochina. Thus, as early as 1959, the Medical Corps has sought to form well-trained medical teams, experienced in the practice of resuscitation and escort and keeping up to date with the development of surgical techniques.

The adaptation of escort techniques to flight is likewise absolutely necessary since it is still possible to obtain medical aircraft with a pressurized cabin in which most of the detrimental factors of flight have been reduced, if not eliminated. For this reason, the concept of conditioning before the flight has become necessary. It is useless to review the detrimental factors of flight connected with altitude (reduction of atmospheric pressure, cooling of the air, drop in water vapor tension) and connected with the motion of the aircraft (vibrations, noises, airsickness) which cause some degree of fatigue and nervous irritation in the case of patients who have become delicate.

These disadvantages are now considerably reduced by the continuously more comfortable aircraft now used for transporting the injured and sick (reduction in the intensity of vibrations, adjustable heating systems) as well as by studying the flight plan in detail with the aircraft commander since the flight plan allows meteorological precipitations and accidented terrain to be avoided. (In principle, furthermore, the altitude of 2000 meters generally used during evacuations causes few reactions in an evacuated patient. In addition, between the medical team and the aircraft crew, there should exist a mutual understanding allowing, during the flight, to modify the flight plan so as to avoid all turbulence or as a function of the behavior of the evacuated patient.) The preparation of the patient before the flight has also helped considerably. This conditioning, an actual medical-psychological preparation for flight, has practically allowed the elimination of contraindications for air transport, with the assistance, of course, of modern therapeutic acquisitions (disorientation and antishock measures, use of antibiotics, development of techniques for anesthesia-resuscitation).

At the present time, any patient perfectly prepared for flight, and medically monitored during this flight, can make use of the airway no matter what may be the status requiring his evacuation. It is therefore necessary to especially emphasize the great importance of an adequate preparation before flight. This allows, if necessary, stopping hemorrhages, reestablishing freedom of the upper respiratory passages, immobilizing fractures, reducing suffering, taking measures against evident shock of avoiding appearance of shock in the ensuing hours, psychologically preparing the future evacuee by explaining to him, if he is conscious, what is expected during the flight and, at the same time, giving him drugs to alleviate airsickness. /201

In this way, depending on the status of the patient, the different types of treatments practiced such as injection of barbiturates, opiates, sedatives, installation of a venous profusion, oxygenotherapy, tracheotomy, aspiration, respiratory resuscitation, the most varied and most complicated of medications can be undertaken from the very beginning. The surgeon and the doctor are sure that their treatment, set up on an emergency basis, no matter what it may be, will be continued during the flight.

In practice, furthermore, except for emergency and specialized cases, preflight treatment reduces considerably the requirement for treatment during flight. In the greatest number of cases, the treatment specified before embarking merely continues while the patient is onboard.

Nevertheless, we should not fail to mention the difficult task given to escort personnel by continuous treatments while in flight such as intravenous profusions, operation of a respirator, monitoring of a severely burned patient, patient suffering from anuresis or cranial fracture. This conditioning does not delay the start of the aeromedical evacuation but takes place during the lapse of time necessary for getting ready the medical aircraft and the escort team. The latter requires on the average one hour and sometimes more. Hence, the evacuating surgeon or doctor can, without haste, begin therapy. His act will perhaps save the injured or sick person and will ensure him an excellent aeromedical evacuation, stage preceding the surgical operation. The future and prognosis of the evacuee will be completely a function of this conditioning. It is not enough on an emergency basis to "save a life or a limb"; it /202

should also be thought of helping recovery of the casualty as quickly as possible, at the same time avoiding complications or serious aftereffects.

During the flight, the harmful effects of flight can be attenuated by constantly seeking to provide comfort for the evacuee by using mattresses and cushions made of foam rubber, back rests, blankets, heat blankets and water bottles, thermos bottles with hot and cold liquids, depending on the season, antinoise earcups, finally, anything which could improve the "nursing" care of the patient.

Insofar as concerns the formation of escort supply kits, the Medical Corps has used its experience and gradually finalized preparation of complete escort kits including the instrumentation and drugs absolutely necessary for the start and continuance of therapy. These escorts' kits satisfy not only the most varied medical requirements but also aeronautical requirements, i.e., relatively reduced weight and volume. Well designed, they completely satisfy the needs of escort doctors and can be very easily modified.

MEDICAL-ADMINISTRATIVE PREPARATION

An aeromedical evacuation requires, in addition to the medical preparation in its true sense, an organized system of indispensable acts in order to ensure its successful development whence the urgent need for a specialized organization called "Transit Center for Air Medical Evacuation". This transit center should be a genuine miniature hospital located near an airfield and a transport squadron. It should be sufficiently far from the combat area but easily accessible by ground and by air and effectively protected in case of nuclear attack. During combat, it could be divided into a number of self-contained transit sections which would be mobile and airborne, moving swiftly to any point in the operational area whatsoever. These sections would include one or more specialized teams depending on the scope of combat and the number of casualties to be evacuated. They would be placed at the disposal of different headquarters and transport squadrons, taking advantage in this way of the disposition provided by our comrades of the ground forces. These sections would have a triple goal, i.e., triage and emergency care for the wounded, loading them aboard and finally escorting them to the first medical facility.

/203

The role of the transit center is very important. It centralizes requests for evacuation and has available a number of specialized teams which have been trained and broken in to aeromedical discipline. They are capable of carrying out triage, emergency care, resuscitation and evacuation of wounded within the shortest possible time. These teams include, in addition to experienced doctors and orderlies, stretcher bearer orderlies who can load and unload aircraft in a minimum of time.

The center has, in addition, all administrative mechanisms for carrying the wounded and sick on a subsistence basis, maintaining the medical kits for escort used for inflight care, setting up the different medical files, mission directives, aircraft manifests, i.e., the categorization of the wounded into sitting or lying, serious or benign.

A transit center of this kind existed in Algeria. It was based on Alger-Maison Blanche and was the turntable for all evacuations carried out in the

five-year period from 1957 to 1962. During this time, close to 80,000 wounded or sick were evacuated through the good offices of the Air Force, owing to a remarkable symbiosis between the Medical Corps of the three branches of the Armed Forces.

Heading this transit center, managing and operational organization, should be an experienced doctor having operational responsibility for all medical evacuations. He is "the coordinating or controlling doctor". This doctor plays the role of "dispatcher" coordinating the efforts of each operation.

His functions require him to:

/204

Issue a technical opinion on the advisability of the mission;

Designate the most suitable doctor for carrying out the mission and selecting the appropriate equipment;

Ensure telephone communications with the command or doctor requesting the evacuation. This doctor can supply a maximum of absolutely necessary medical data for evaluating the mission and ensuring a proper escort with the appropriate equipment (for example, a device for assisting respiration);

Propose to the evacuating doctor, depending on the status of the patient, a flight conditioning (antiaircraft sickness medication, preventive tracheotomy, installation of a tracheal or laryngeal cannula, a catheter for intravenous profusion, a drip feeding, a urethral probe, an oxygenal therapy, a trocar for exsufflation in order to reduce a pneumothorax, etc.);

Establish direct contact, first of all with the controller of regional or local transport resources and subsequently with the receiving facility. The controlling doctor makes sure that the receiving hospital is aware of the arrival of the one or more patients. He informs it of the treatments in process in order to avoid any interruption in the therapy and further specifies the time of arrival;

Sets up the different aircraft-ambulance or aircraft-helicopter connections at embarkation or at debarkation in order to avoid any injurious delay;

Remains in communication with the escort doctor, either to give him directives during the mission, or to be kept informed of any change occurring during the flight such as worsening of the status of the patients, diverting of the aircraft owing to poor atmospheric conditions, modification of flight plan.

In time of war, the control doctor will be in close communication with the different headquarters, with units at the front and in the rear, with the doctors of transit sections scattered about consonant with the changing tactical needs. He will represent the connecting link between the Air Forces and the other branches of the Armed Forces (Army, Navy).

As a result of lessons learned in Indochina, Korea and especially in Algeria, a doctrine of aeromedical evacuations has been fully worked out. At this stage, it would merely require some slight changes as a function of the gradual development of military strategy and more particularly involving nuclear conflict which would make necessary massive evacuations.

This doctrine, as we have seen, is based on a number of major points. The aeromedical evacuation is a therapeutic link between triage and the surgical or specialized medical operation. All resuscitation should be begun starting with the stage of the forward airborne surgical unit, first medical facility at the front, and will be continued during flight. The control doctor has full power of decision in the matter of performance and progress of the mission. The escort doctor is the only one qualified, during flight, to make any medical-aeronautical decision modifying the flight plan or the performance of the mission.

This doctrine exists and operates perfectly but we can, nevertheless, do even more to improve it.

Thus, progress in the future could involve:

The installation by the Medical Corps of a permanent center for aeromedical evacuations, a miniature hospital having a perfected resuscitation service, specialized teams and medical-administrative support. As we have seen, this air medical transit center, called the CTSA (centre de transit sanitaire aérien) existed in Algeria. In 1962, it was deactivated. In time of peace, one center alone would be enough. At the present time, the base at Salon forms an embryonic evacuation center as do likewise the bases at Villacoublay and Solenzara located in Corsica. However, the resources are too dispersed and uncoordinated. This was probably to avoid too great a dependency on a single air facility and certainly to deal with the vulnerabilities of each individual one.

The only valid and effective solution is the creation of a medical evacuation center which is self-contained or dependent on a medical service of an air base located near a transport squadron and in the vicinity of hospital facilities. The creation of this center would avoid the setting up every weekend of four or five aeromedical alert teams and even more on national territory as is the case at the present time. It would be, in addition, the first genesis of air medical transit and could be in operation as early as the start of hostilities with the addition at this time of air medical transit sections staffed by reserve personnel.

Placing cargo aircraft at the disposal of the Medical Corps truly satisfying the requirements in all respects for medical aircraft. At the present time, it must be admitted that this medical aircraft concept is a myth. The practical application of the Geneva Conventions of 12 August 1949 is quite difficult since these conventions lack realism and only propose inoperable, complicated and clumsy procedures for utopian results. They are inapplicable during a generalized conflict, even by humanitarian belligerents.

These Geneva Conventions should therefore be revised and made effective by attempting to obtain, for transport of casualties, medical aircraft placed at the disposal of the International Red Cross by the various belligerents. These aircraft would be of the same type, easily identifiable and exclusively reserved for air medical evacuations. These aircraft would circulate in neutralized air corridors and use airfields which would be called "free" or "open" airfields. It is clear that the maintenance of such a fleet of aircraft would be expensive but would count for very little in present-day war budgets. It is at this cost that we can discuss aeromedical evacuations during a conflict. In all other cases, and this is standard practice among all States, even the most civilized ones, the transport of wounded is nothing more than a "human cargo" transport. The transport is certainly improved by the presence of personnel and equipment of the Medical Corps but in unprotected aircraft which form veritable targets made available to antiaircraft fire, rockets or other destructive devices.

It would also be difficult to obtain neutralized air corridors for it is well known that confidence between belligerents is not prevalent and it will be impossible to differentiate on radar screens any Red Cross aircraft from any other aircraft. Nevertheless, we believe that, during a nuclear war, it will be much easier to neutralize such and such a combat zone and that the belligerents will be obligated to conclude a truce in order to be able to evacuate contaminated radioactive areas. It could very well be imagined that the collection and triage of the wounded and survivors, if any, will be accomplished between the first and second nuclear exchange if the latter is still necessary to obtain a victory pursuant to the emptiness and folly of man. /207

It would be pretentious and vain to believe that the Air Force could alone solve the problem of evacuations, especially during nuclear conflict. For this, it would be necessary for it to be able to collect a considerable potential together at a single point on the front and this would be almost impossible. All evacuation resources will have to be placed in motion whence the requirement for smooth working cooperation between the different armed branches and their aeromedical evacuation services whence the requirement for an air transit center coordinating all energies and resources.

Nevertheless, the aeromedical evacuation will have a preponderant role for it will be able to rapidly clear the combat area of the most serious casualties and, by the same stroke, avoid the congestion and blockage of hospital facilities at the front. Air evacuation is therefore a marvelous resource available to the higher command as a tactical resource also constituting a valuable psychological factor. The combatant will have the certainty of being able to take advantage, in the shortest possible time, of all the resources of the Medical Corps of the Armed Forces. The air evacuation provides him with hope for an additional opportunity for survival.

In this way, we have seen that aeromedical evacuation has become integrated into medical tactics, modifying it, giving it a new and dynamic shape, allowing it to trace the development of military strategy and become adapted to the new requirements of the latter. It represents one of the main trumps of the Medical Corps of the Armed Forces. This corps should, in the future,

with the assistance of the higher command, seek to develop it to the maximum in order to procure from it a greater and greater effectiveness. It is within this scope that we recommend the revision of the Geneva Conventions. However, we believe that we must not deceive ourselves. Air evacuation on a grand scale will only be possible as a function of air supremacy which, unfortunately, it should be confessed, is much more reliable than the Red Cross.

/208

In conclusion, we are going to examine what capabilities are available for transporting sick and wounded by air in civilian practice.

→ THE "EVASAN" IN CIVIL PRACTICE ←

The experience acquired by military doctors is now available to their civilian colleagues. It is clear that the same problems are faced by all doctors whether they are in uniform or not. Modern life traumatizes just as much as a battle and emergency surgery copes with the damages done by motorized human flocks on the move. France has a sufficient but underdeveloped infrastructure which could not deal with, tomorrow, the requirements of a nuclear conflict. The specialized centers are few in number and movements of seriously sick or wounded are necessary. This is particularly true in the case of patients suffering from respiratory difficulties, burns, skull fractures and anuria. Aeromedical evacuation has therefore become a current civilian practice. This naturally calls upon existing resources which have demonstrated their dynamic qualities and effectiveness, i.e., those of the Air Force.

Nevertheless, this solution can only be a temporary one. The Air Force should first of all carry out its tactical missions, both in peacetime as well as in wartime. It should not be distracted from it.

Civilians should therefore address this problem and create their own infrastructure with military resources only becoming involved in the case of great cataclysms such as earthquakes, for example, as was the case with Agadir and Skoplje. Some kind of civilian organization should coordinate all present private efforts along these lines such as they exist in the Paris Region. The teams from Dr. Cara of the Necker Hospital blanket an area of 200 km around Paris. A forward surgical unit is located at Salon and in many other regions. The resources are still too scattered, the methods differing and occasionally with a poorly defined goal. How many evacuations have been performed unnecessarily, in haste and without plan becoming transformed into a purposeless transport and not into an evacuation. How much money is often wasted and time lost!

/209

Civilian doctors should be indoctrinated, become acquainted with capabilities offered and, however, also assume their responsibilities. An air mission is not without danger. No one has the right to use a medical team and possibly send it to its death without grave and serious reasons. A diagnosis can be made in time before the appearance of complications which are sometimes fatal. For this reason, a flight preconditioning is absolutely necessary. Each administrative mechanism should feel itself involved and not lose interest in the mission as soon as it has begun.

To request an evacuation is to start a therapeutic action and not merely a means of becoming relieved of responsibility for a burdensome patient whose diagnosis was often made. This is neither a mere means of easy locomotion nor a transfer of responsibility.

At the present time, it is quite easy to request an aeromedical mission (Evasan).^{*} In order to do this, the requesting doctor makes application to the regional representative of Public Health who forwards the request to the Prefecture and to the Regional Directorate of the Air Health Service. Why this routing? To the Prefecture because the latter is involved in payment for the transport and should know under whose jurisdiction (social security, agricultural insurance, SNCF (National Railroad), cooperatives, etc.) to the Directorate of the Air Health Service because the latter is the only agency empowered to initiate an air mission at the higher command. Before requesting such a mission, the treating doctor should have confirmation of the agreement of the receiving hospital. It has happened that, upon completion of an evacuation, it was quite difficult to have the patient admitted into the clinic in question because the latter had not been informed and categorically refused to accept the patient owing to questions of assumption of responsibility or lack of room.

All this can be avoided in the future provided the treating doctors agree to adhere to one mode of procedure and automatically telephone the representative of Public Health or, if the latter is not available, the Regional Directorate of the nearest health service where there is practically always a staff on duty. It is important to communicate with doctors or their representatives who will understand the request and will be able to interpret it and set into motion the medical-aeronautical procedure.

/210

This is the way it is today! It is simple.

What should we have in the future? First of all, we should build up the equipment of secondary and second category hospitals by adding services for neurosurgery and resuscitation-anesthesia. This would avoid shifting equipment and a loss of money. The infrastructure of civilian airfields (beaconing, radio equipment, etc.) should be built up. Tourist aircraft should be made over into medical aircraft which is possible when designers prearrange their aircraft for quick transformation into medical aircraft. Specialized civilian teams should be created following the example of the teams of Dr. Cara of the National Assistance Board (Assistance Publique) of Paris. A national and international medical code should be promoted which would be the handbook of all escort doctors. Questions of payment should be regulated. It appears that social security could take over early responsibility for all expenses and then later passing responsibility to the authority having jurisdiction for the patient. Finally, the government should produce a code which would officially organize evacuations by air. At the present time, we find the Prefects who are trying to obtain on a regional basis agreements with the State Police (gendarmerie), the Armed Forces and Public Health. All this is based on friendships or sympathetic relationships, private initiatives but not on legal codes. It should be possible, at a government level, to have a

^{*} [Trans. Note] Evasan, probably Evacuation Sanitaire, Medical Evacuation

coordinating committee meet in order to examine procedures carefully, making codes, planning and deciding.

Our country should have the medical infrastructure of a developed country conscious of its duties and responsibilities.